अथ पित्तस्य स्वरूपमाह ।
पित्तमुष्णं द्रवं पीतं नीलं सत्त्वगुणोत्तरम्॥
रसे कटु लघु स्निग्धं तीक्ष्णमम्लन्तु पाकतः ॥
पीतं निरामम् । नीलं साममम् ।

एकं पित्तं वातवत् नामस्थानकर्म्मभेदैः पञ्चविधम् । तेषां पित्तानां नामानि आह ।
पाचकं रञ्जकश्चापि साधकालोचके तथा ॥
भ्राजकश्चेति पित्तस्य नामानि स्थानभेदतः ॥

अथ पाचकादीनां स्थानानि आह ।
अग्न्याशये यकृत्प्लीहाहृदये लोचनद्वये॥ त्वचि सर्वशरीरेषु पित्तं निवसति क्रमात् ॥

पुनः प्रकृतमनुसरामः—रञ्जकं नाम यत्पित्तं तद्रसं शोणितं नयेत्॥ यत्तु साधकसंज्ञं तत्कुर्य्याद्द बुद्धिं धृतिं स्मृतिम्
धृतिं मेधाम् ॥

यदालोचकसंज्ञं तद्रूपग्रहणकारणम्॥ भ्राजकं कान्तिकारि रयाल्लेपाभ्यङ्गादिपाचकम्

What is "Pitta"?

Pitta is the principle of fire and water, responsible for the body's digestion process and metabolism. Its core functions include:

- Transforming and assimilating food into energy at the physical level.
- Processing thoughts and perceptions at the mental and sensory levels.

Qualities of Pitta Pitta is a fluid with the following qualities:

- Warm (hot)
- Yellow
- Blue
- Liquid
- Pungent (spicy)
- Light
- Oily (smooth)
- Sharp
- Sour in digestion

Types of Pitta Pitta is divided into five categories:

1. **Pachak Pitta**:
    - **Location**: Stomach
    - **Function**: Aids in the digestion process.
2. **Ranjak Pitta**:
    - **Location**: Liver and spleen
    - **Function**: Converts food juices into blood.
3. **Sadhak Pitta**:
    - **Function**: Takes care of intelligence, intellect, and memory.
4. **Alochaka Pitta**:
    - **Function**: Facilitates vision and the experience of color.
5. **Bhrajaka Pitta**:

- **Function**: Responsible for radiance (glow), skin texture, and usefulness in massages.

पित्त क्या है?

पित्त आग और जल का सिद्धांत है, जो शरीर की **पाचन प्रक्रिया** और **चयापचय (मेटाबोलिज्म)** के लिए जिम्मेदार होता है। इसका मूल कार्य:

- शारीरिक स्तर पर **भोजन के ऊर्जात्मक परिवर्तन** और **आत्मसात करना।**
- मानसिक और इंद्रिय स्तर पर **विचारों और धारणाओं को संसाधित करना।**

पित्त के गुण

पित्त एक तरल पदार्थ है, जिसके निम्नलिखित गुण हैं:

- उष्ण (गर्म)
- पीत (पीला)
- नीला (ब्लू)
- दस्तावर
- चरपरा (तीखा)
- हल्का
- स्निग्ध (चिकना)
- तीक्ष्ण
- पाक में खट्टा

पित्त के प्रकार

पित्त को पाँच श्रेणियों में बाँटा गया है:

1. **पाचक पित्त:**
    - स्थान: आमाशय
    - कार्य: पाचन प्रक्रिया में मदद करता है।
2. **रजक पित्त:**
    - स्थान: यकृत (लिवर) और पलीह (स्पलीन)
    - कार्य: भोजन के रस को रक्त में बदलना।

3. **साधक पित्त:**
    - कार्य: बुद्धि, मेधा, और स्मृतियों की देखभाल।
4. **आलोचक पित्त:**
    - कार्य: दृष्टि और रंग का अनुभव प्रदान करना।
5. **भर्जक पित्त:**
    - कार्य: कांति (चमक), त्वचा की बनावट, और मालिश में उपयोगी।